पुलिस चढ़ती है और कोई भी आदमी थैला ले कर जा रहा हो, बक्सा ले कर जा रहा हो, उससे ज़बरदस्ती बक्सा खुलवाने में लगी रहती है लेकिन उसकी सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं करती है।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं एक और चीज़ की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। रेप के इनसीडेंट और ऐसी इनसीडेंट्स के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अपने जजमेंट में कहा था कि भारत सरकार द्वारा क्रिमिनल इंजुरीज़ बोर्ड नियुक्त किया जाए जो ऐसे केसेज़ को देख कर उस पर आधारित करे, सिर्फ कंपनसेशन ही नहीं देना है पर जब कंपनसेशन सरकार को देना पडेगा ऐसी क्रिमिनल इंजुरीज़ के ऊपर तब उस पर प्रिवेंशन भी करेंगे, रोकने के लिए अंकुश भी लगाएंगे। परन्तु आज तक इस बोर्ड का गठन नहीं हुआ है। मैं आपके माध्यम से मांग करूंगा कि इसको भी बनाया जाए।

RE: REPORTED DECISION OF DEFENCE MINISTER TO INDEFINITELY DEFER PLAN TO PROVIDE TOTAL FENCING ALONG (NDO-PAK BORDER IN THE KUTCH REGION

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): जनाब सदर साहब, आपकी इजाज़त से जिस विषय पर मुझे अर्ज़ करना है एक मिनट पहले लेना चाहता हूं। हमारे कुछ अज़ीज़ नये-नये हमारी राज्य सभा की बिरादरी में शामिल हुए हैं। मैं उनकी खिदमत में बहुत मोदेबाना यह अर्ज़ करना चाहता हूं। मैं कभी किसी पर ज़ाती हमला नहीं करता हूं। राज्य सभा में हकूमत में, सरकार में जो बैठा है, सरकार का ज़िक्र होता है तो जो मुख्तलिफ हज़रात, मुख्तलिफ वज़ारतों को सम्भाले हुए हैं, उनका ज़िक्र भी आता है, ज़ाती हमले की बात नहीं होती है। इज़हारे वफ़ादारी की गर्मजोशी हमें कहां तक ले जाती है, उसमें ऐतिहात बरतनी चाहिये। मैं ज़ाती हमला न यहां हाऊस में करूंगा और यह सवाल पैदा नहीं होता। मैं कभी बाहर भी ज़ाती हमला किसी पर नहीं करता हूं। इस वक्त भी जो सवाल उठ रहा है वह एक मंत्रालय का है जिसके लिए मैंने दरख्वास्त दी है, डिफेंस मंत्रालय का है और बदकिस्मती से मैंने कल एक रिपोर्ट जो 28 तारीख के इकोनोमिक टाइम्स में छपा हुई थी, उसकी सुर्खी पढ़ दी थी। उस सुर्खी को मैं आज भी पढ़ना चाहता हूं और वह सुर्खी यह है Army flays Mulayam's dithering on fencing. अब डिफेंस मिनिस्टर साहब का ज़िक्र है और सीरियस सवाल है डिफेंस मिनिस्टर साहब के मातहत आर्मी है, तम डिफेंस फोर्सिज़ है। डिफेंस मिनिस्टर साहब और उन दरम्यान किसी किस्म की गलतफ़हमी वगैरह बिलवास्ता या पैदा नहीं होनी चाहिये। डिफेंस मिनिस साहब का अपना एक दौरा था—

> "...Plan to provide fencing alor the Indo-Pak border in the Kutc region deferred indefinitely. Th announcement was made by th Defence Minister when he visit? Jamnagar recently..."

जिस पर डिफेंस फोर्सिज़ ने, आर्मी ने फ्राऊन किया है मैं इससे ज्यादा नर्म लफ्ज़ इस्तेमाल नहीं करना चाहत हूं। कल जो लोक सभा में कच्छ बार्डर के सिलसिले जवाब दिया गया, वह आज के हिन्दुस्तान टाइम्स में छ है जिसमें यह कहा गया है—

> "The setting up of a commerci; zone by Pakistan across the Kutc border for exporting oil, gas minerals, etc., has increased th threat potential from across th border, Lok Sabha was informe today."

यह कल वहां कहा गया। इतना सीरियस मसला है हमारी सिक्युरिटी प्रोब्लम है, सीरियस थ्रेट है कच्छ बार्ड से और हमारे डिफेंस मिनिस्टर साहब ने यह बयान दिया कि वहां फेंसिंग की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कह कि पेट्रोलिंग काफी है। इतना बड़ा बार्डर है, लम्बा बार्ड है, जो थ्रेट पाकिस्तान की तरफ से आ रही है, इस बार्ड पर बेतहाशा आ रही है, इसके लिए पेट्रोलिंग काफी नहं है। बहुत बड़ा बार्डर है, क्लाइमेटिक कंडीशंस बड़ खतरनाक है, इनफिल्ट्रेशन बड़ी आसानी से हो सकतं है। बार्डर की फेंसिंग के वाइटल होने की वजूहात क्य क्या हो सकती है, मिलिटेंट्स बार्डर से बड़ी तादाद में आ रहे है, उसी बार्डर का इस्तेमाल कर रहे है, आई॰एस॰आई॰ एक्टीविटीज़ भी उसी बार्डर से हो रही है, स्मगलिंग आम है, हर चीज़ की स्मगलिंग है, ड्रग्ज़ की स्मगलिंग है, हथियारों की स्मगलिंग है, आर॰डी॰एक्स॰ की स्मगलिंग सब तरफ से हो रही है। और अमल वाइड्स आफ इन्फिल्ट्रेशन हो रहा है और हमारे डिफेंस मिनिस्टर साहब ने बगैर आर्मी से मशिवरा किए हुए यह बयान जामनगर में दे दिया कि उस बार्डर पर फेन्सिंग की जरूरत नहीं है। सवाल सिर्फ कच्छ के बार्डर का नही है। हमारे तमाम बार्डर्स गैर महफूज है।

The Defence Minister said that the BSF

s fully prepared to deal with the)blem. Was it an off-the-cuff statement did he consult the security people—the F or the Army?

अब यह प्राब्लम सिर्फ कच्छ का नहीं है। नार्थ ईस्ट भापके बार्डर बिल्कुल खुले हुए हैं। करोड़ों लोग उस ; से हमारे यहां आ गए हैं और कोई तरीका बाकी रहा है। हमारे इलेक्ट्रोरल रोल्स का क्या हाल है। यह भी नहीं जानता कि उनको ठीक करने का क्या सकता है। हमारे यहा सिटीजनशिप के कायदे . 6 या नहीं हैं, उनको लागू करना चाहिए या नहीं ा चाहिए हम जानते ही नहीं है इसके बारे में। लम खुल्ला है। मैं करीमगंज गया था। वहां आना ऐसा है कि जैसे एक शहर में रह रहे हैं। उधर के ादेश के रहने वाले इधर आते है...कारोबार करने और इधर वाले उधर जाते हैं। एक आम, खुला है...(समय की घंटी) मैं खत्म कर रहा हूं। मैं कहना चाहता हूं, आई मीन, इट माइट साउंड की ुल डाइमेशन है। मगर डाइमेंशन नहीं है। ल्ट्रेशन का मतलब क्या है कि हमारे मुल्क की ादी बढ़ रही है। हमारे मुल्क की आबादी को रोकने लए हमारे यहां फेमिली प्लानिंग के प्रोग्राम्स चल रहे क्यों चल रहे हैं? हिन्दुस्तान में हमारे यहां कोई दान एक या दो बच्चों से ज्यादा पैदा न करें यह ुल जरूरी है। लेकिन पले पलाए हमारे यहां करोड़ों जाएं उनकी तरफ से हम बिल्कुल बेफिक्र हैं। तो कहना सिर्फ यह है कि डिफेंस मिनिस्टर साहब का बयान जो कच्छ के बार्डर के सिलसिले में था यह आर्मी परसोनल के कन्सल्ट किए हुए देना मुनासिब ा। आफ द कफ बयानात इस तरीके से जिम्मेदारी जगह बैठे हुए वजीरों के आएं, यह ठीक नहीं है। ा बार्डर हमारे लिए एक जबर्दस्त खतरा पोज कर रहा ।रा कि इस मौजूदा सरकार ने कल लोक सभा में चीज को तसलीम किया है। मुझे यही अर्ज करना

†[شری سکندر بخت: جناب صدر، آپکی اجازت سے جس وشے پر کچھ عرض کرنا ہے ایک منٹ پہلے لینا چاہتا ہوں۔ ہم کچھ عزیز منسٹر ہماری راجیہ سبھا برادری میں شامل ہوئے ہیں۔ میں ا

کی خدمت میں بہت مؤدبانہ یہ عرض کرنا چاہتا ہوں۔ میں کبھی کسی پر ذاتی حملہ نہیں کرتا ہوں۔ راجیہ سبھا میں حکومت میں۔ سرکار میں جو بیٹھے ہیں۔ سرکار کا ذکر ہوتا ہے تو جو مختلف حضرات مختلف وزارتوں کو سنبھالے ہوئے ہیں۔ انکا ذکر بھی آتا ہے۔ ذاتی حملے کی بات نہیں ہوتی ہے۔ اظہار وفاداری کی اگر ہوشیاری ہمیں کہاں تک لے جاتی ہے۔ اسمیں احتیاط برتنی چاہیئے۔ میں ذاتی حملہ نہ یہاں ہاؤس میں کرونگا اور یہ سوال پیدا نہیں ہوتا۔ میں کبھی باہر بھی ذاتی حملہ کسی پر نہیں کرتا ہوں۔ اس وقت بھی جو سوال اٹھ رہا ہے وہ ایک منترالیہ کا ہے۔ جس سے کہ میں نے درخواست دی ہے۔ ڈیفینس منترالیہ کا ہے اور بدقسمتی سے میں نے کل ایک رپورٹ جو ۲۸ تاریخ کو ایکانامکس ٹائمس میں شائع ہوئی تھی۔ اسکی سرخی پڑھ دی تھی۔ اس سرخی کو میں آج بھی پڑھنا چاہتا ہوں۔ اور وہ سرخی یہ ہے۔

Army flays Mulayam's ditering on fancing.

اب ڈیفینس منسٹر صاحب کا ذکر ہے۔ اور سیریس سوال ہے کہ ڈیفینس منسٹر صاحب کے ماتحت آرمی ہے۔ تمام ڈیفینس فورسز ہیں۔ ڈیفینس منسٹر صاحب اور انکے درمیان

† [] Transliteration in Arabic Script.

کسی قسم کی غلط فہمی براہ راست یا بالواسطہ پیدا نہیں ہونی چاہئے۔

12 جس پر ڈیفنس فورسیز نے - آرمی نے فراڈن کیا ہے - میں اس سے زیادہ نرم الفاظ استعمال نہیں کرنا چاہتا ہوں - کل جو لوک سبھا میں کچھ بارڈر کے سلسلہ میں جواب دیا گیا وہ آج کے ہندوستان ٹائمس میں چھپا ہے جس میں یہ کہا گیا ہے -

"...Plan to provide fencing alopg the Indo-Pak Border in the Kutch region deferred indefinitely. This announcement was made by the Defence Minister when he visited Jamnagar recently..."

"The setting up of a commercial zone by Pakistan across the Kutch border for exporting oil, gas, minerals, etc., has increased the threat potential from across the border, Lok Sabha was informed today."

یہ کل وہاں کہا گیا - اتنا سیریس مسئلہ ہے - ہماری سیکیورٹی پرابلم ہے - سیریس تھریٹ ہے - کچھ بارڈر سے اور ہمارے ڈیفنس منسٹر صاحب نے یہ بیان دے دیا کہ یہاں فینسنگ کی ضرورت نہیں ہے انہوں نے کہا کہ پیٹرولنگ کافی ہے - اتنا بڑا بارڈر ہے - جو تھریٹ پاکستان کی طرف سے آ رہی ہے - اس بارڈر پر بے تحاشہ آ رہی ہے - اسکے لئے پیٹرولنگ کافی نہیں ہے - بہت بڑا بارڈر ہے - کلائمیٹک کنڈیشن بڑی خطرناک ہیں انفلٹریشن بڑی آسانی سے ہو سکتی ہے - بارڈر کی فینسنگ کے وائٹل ہونے کی وجوہات کیا کیا ہو سکتی ہیں - ملی ٹینٹس بارڈر سے بڑی تعداد میں آ رہے ہیں - اسی بارڈر کا استعمال کر رہے ہیں - آئی - ایس - آئی - کیمیکل ویپنز بھی اسی بارڈر سے ہو رہی ہیں - اسمگلنگ عام ہے - ہر چیز کی اسمگلنگ ہے - ڈرگ کی اسمگلنگ ہے - ہتھیاروں کی اسمگلنگ - آر - ڈی - ایکس کی اسمگلنگ بھی سب طرف سے ہو رہی ہے - اور آن کاؤنٹڈ آف انفلٹریشن ہو رہا ہے اور ہمارے ڈیفنس منسٹر صاحب نے بغیر آرمی سے مشورہ لئے ہوئے یہ بیان جام نگر میں دیدیا کہ اس بارڈر پر فینسنگ کی ضرورت نہیں ہے - سوال صرف کچھ کے بارڈر کا نہیں ہے - ہمارے تمام بارڈرس غیر محفوظ ہیں -

The Defence Minister said that the BSF was prepared to deal with the problem. Was it an off-the-cuff statement or he had consulted the security people the BSF or the Army?

اب یہ پرابلم صرف کچھ کا نہیں ہے - نارتھ ایسٹ میں آکے بارڈر بالکل کھلے ہوئے ہیں - کروڑوں لوگ اس طرف سے ہمارے یہاں آگئے ہیں اور کوئی طریقہ باقی نہیں رہا ہے - ہمارے الیکٹورل رولس کا کیا حال ہے - کوئی یہ بھی نہیں جانتا کہ انکو ڈیٹیکٹ کرنے کا کیا طریقہ ہو سکتا ہے ہمارے یہاں سیٹیزن شپ کے قاعدے قانون ہیں یا نہیں ہیں - انکو لاگو کرنا چاہئے یا نہیں کرنا چاہئے ہم جانتے ہی نہیں ہیں اسکے بارے میں - مکمل کھلا ہے - میں کریم گنج گیا تھا -

وہاں آنا جانا ایسا ہے جیسے ایک شہر میں
رہ رہے ہیں۔ ادھر کے بنگلہ دیش کے
رہنے والے ادھر آتے ہیں۔ ایک عام مکالہ
ہوا ہے (وقت کی گھنٹی) . . . میں ختم
کر رہا ہوں۔ میں یہ کہنا چاہتا ہوں۔ آئی
ایم اٹ مائنڈ سا ورنٹی بالکل مڈرایکرٹ
ہے۔ مگر مائیگریشن نہیں ہے۔ انفلٹریشن
کا مطلب کیا ہے کہ ہمارے ملک کی آبادی
بڑھ رہی ہے ہمارے ملک کی آبادی کو روکنے
کیلئے ہمارے یہاں فیمیلی پلاننگ کے پروگرام
چل رہے ہیں۔ کیوں چل رہے ہیں۔ ہندوستان
میں ہمارے یہاں کوئی خاندان ایک یا دو
بچوں سے زیادہ پیدا نہ کریں یہ بالکل ضروری
ہے۔ لیکن پہلے بلا کے ہمارے یہاں کروڑوں
آجائیں اس کی طرف سے ہم بالکل بے فکر ہیں
تو میرا کہنا صرف یہ ہے کہ ڈیفینس منسٹر صاحب
کا یہ بیان جو کچھ سے بارڈر کے سلسلے
میں تھا یہ بغیر آرمی پرسونل کے کنسلٹ
کئے ہوئے کر دینا مناسب نہیں تھا۔ آف
دی کف بیانات اس طریقہ سے ذمہ داری
کی جگہ بیٹھے ہوئے منسٹروں کے آئیں۔
یہ ٹھیک نہیں ہے۔ کچھ بارڈر ہمارے
لئے ایک زبردست خطرہ پوز کر رہا ہے
جیسا کہ اس موجودہ سرکار نے کل لوک
سبھا میں اس چیز کو تسلیم کیا ہے۔ مجھے
یہی عرض کرنا تھا۔ [ختم شد]

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): मैं समझता हूं मंत्री महोदय कि ये कुछ ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिनको कि आप जो संबंधित मंत्री जी हैं उनको बता दें क्योंकि गृह विभाग और डिफेंस मिनिस्टरी दोनों का इससे संबंध है और दूसरे कोई भ्रांति न रहे इस सिलसिले में।

RE: DELAY IN RE-ESTABLISHING THE OFFICE OF THE REGIONAL DESIGN AND TECHNICAL DEVELOPMENT CENTRE, MUMBAI

श्री सतीश प्रधान (महाराष्ट्र): धन्यवाद महोदय।

मैं आज एक बहुत दुख भरी स्टोरी पर बात बताना चाहता हूं, सदन के सामने रखना चाहता हूं। इस सदन के सामने यह विषय रखते हुए मुझे बहुत दुख है क्योंकि इस सदन में यह विषय मैंने कई महीने पहले उठाया था।

मुम्बई में रीजनल डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट सेंटर हैंडीक्राफ्ट स्थित था। डिपार्टमेंट के अफसरों और लैंडलार्ड के साथ कुछ, थोड़ी गड़बड़ी हुई और कोर्ट में जाने के बाद रीजनल सेंटर को वहां से जगह खाली करनी पड़ी। फिर अधिकारी लोगों ने वह सेंटर वहां से उठाकर भोपाल में शिफ्ट करना तय किया। भोपाल में शिफ्ट कर दिया। मैंने मंत्री जी से निवेदन किया। सदन में मुद्दा उठाया और बार-बार मंत्री जी के साथ बात की। मुझे अभिमान है इस विषय का कि पुराने टेक्सटाइल के मंत्री और अभी के भी दोनों मंत्रियों ने अच्छी सुनवाई की और उसके ऊपर अच्छा निर्णय लिया। यह सेंटर फिर से मुम्बई मे रखने के लिए आवश्यक उपाय और योजनाएं की गयीं। महाराष्ट्र सरकार ने इस विषय में जगह देने का वादा किया था और महाराष्ट्र सरकार ने जगह भी उपलब्ध करा दी। मुम्बई महापालिका ने इसके लिए जगह दे दी। अब यह जगह लेने के बाद वहां सेंटर शिफ्ट हो गया। लेकिन जगह लेने के बाद अभी करीबन 6 महीने होने को आए हैं, उस डिपार्टमेंट के अधिकारी लोग वहां मुम्बई की महापालिका के साथ में कुछ एग्रीमेंट नहीं कर रहे हैं जगह लेने के बारे में, न उसका रेट दे रहे हैं । अब मुम्बई महापालिका ने आखिरी केन्द्र सरकार के लिए नोटिस दिया है कि आप एग्रीमेंट नहीं करेंगे तो आपको जगह खाली करनी पड़ेगी। यह जान-बूझकर ऐसा चल रहा है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि जल्द से जल्द यह सैन्टर वहां रहे। इस ढंग से जो कुछ कार्यवाही करनी है वह जल्दी करें। धन्यवाद।

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी)